# वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

## एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

## एमएएचडी-09

## लोक साहित्य

**अवधि 3 घंटे** **अधिकतम अंक 80**

**निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।**

**खण्ड स**

**इस खण्ड में विकल्प सहित चार प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 400 से 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 16 × 2 = 32**

**प्रश्न** 1 **लोक साहित्य की विविध विधाओं पर एक लेख लिखिए।**

**अथवा**

**राजस्थान की प्रमुख लोकगाथाओं का उल्लेख करते हुए उनका विवेचन कीजिए।**

**प्रश्न** 2 **''लोकगीत हमारी संस्कृति के परिचायक है'' कथन का स्पष्टीकरण करते हुए लोकगीतों का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**'लोकमानस' क्या है ? लोककथाओं और लोकनाटकों में 'लोकमानस' की भूमिका का वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 3 **राजस्थान के 'लोक नाटय' का स्वरूप बताते हुए, राजस्थान की प्रमुख नाटय शैलियों का वर्णन कीजिए।**

**अथवा**

**हरियाणा और राजस्थान की लोककथाओं की समानता का उल्लेख करते हुए, लोकसाहित्य में इनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।**

**प्रश्न** 4 **ब्रज के लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए।**

**अथवा**

**लोक साहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्धों का विवेचन कीजिए।**

**प्रश्न** 5 **लोकसाहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध पर एक लेख लिखिए।**

**अथवा**

**राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्ययन के इतिहास पर प्रकाश डालिए।**

**प्रश्न** 6 **लोकसाहित्य के संकलन एवं संरक्षण की कठिनाइयों के विविध स्तर की विवेचना कीजिए।**

**अथवा**

**राजस्थान की लोककथाओं का वर्गीकरण कर उनकी व्यापकता का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।**

**प्रश्न** 7 **राजस्थान की लोक कथाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।**

**अथवा**

**'लोकगीत' किसे कहते है ? लोकगीतों की परिभाषा देते हुए राजस्थानी जन-जीवन में लोकगीतों का महत्व बताइए।**

**प्रश्न** 8 **हरियाणवी लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए।**

**अथवा**

**मालवी लोककथा के विविध वर्गो का विवेचन कीजिए।**

**प्रश्न** 9 **ख्यालों की परम्परा और उनके विविध रूपों का वर्णन कीजिए।**

**अथवा**

**राजस्थान के विविध लोक नृत्योंका विवेचन कीजिए।**

**प्रश्न** 10 **राजस्थानी लोककथा का स्वरूप बताते हुएउसकी विविध विशेषताओं का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**राजस्थान की लोकगाथाओं का विवेचन करते हुएउनमें विद्यमान सार्वदेशिकता व सार्वजनीनता को उजागर कीजिए।**

**प्रश्न** 11 **लोकसाहित्य की विविध विधाओं का उल्लेख करते हुए राजस्थानी एवं हरियाणवी लोकगीतों की समानता का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**खड़ी बोली की लोक सांस्कृति पर एक लेख लिखिए।**

**प्रश्न** 12 **लोकसाहित्य के संकलन एवं संरक्षण की विविध समस्याओं का विवेचन करते हुएउनके समाधान पर प्रकाश डालिए।**

**अथवा**

**लोक साहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध का विश्लेषण कीजिए।**

**प्रश्न** 13 **राजस्थानी लोकनाटय शैलियों का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**लोकगाथा की उत्पत्ति सम्बनिधत विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए।**

**प्रश्न** 14 **लोकसाहित्य और अभिजात्य साहित्य के संबंध पर एक लेख लिखिए।**

**अथवा**

**राजस्थान के लोकप्रसिद्ध देवी देवताओं का चित्रण कीजिए।**

**प्रश्न** 15 **राजस्थान के जन जीवन में लोकगीतों एवं लोकपर्वो की भूमिका का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**"हरियाणा के लोक साहित्य में वहाँ के समाज एवं संस्कृति के दर्शन होते है" कथन का विवेचन उदाहरण सहित कीजिए।**

**प्रश्न** 16 **ब्रज एवं राजस्थानी लोगाथाओं में साम्य-वैषम्य का विवेचन कीजिए।**

**अथवा**

**मालवी लोकसाहित्य के विविध पक्षों का वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 17 **राजस्थान के प्रमुख लोकनृत्यों का वर्णन करते हुए राजस्थानी संस्कृति में इनका वैशिष्टय अंकित कीजिए।**

**अथवा**

**राजस्थान के प्रमुख लोक देवी और देवताओं का वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 18 **लोकसाहित्य की कोई भी महत्वपूर्ण विधा पर सारगर्भित लेख लिखिए।**

**अथवा**

"राजस्थानी एवं हरियाणवी लोकसाहित्य लोक मानस की अभिव्यकित है।" कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

प्रश्न 19 मालवी लोकसाहित्य के स्वरूप व विकास का विवेचन कीजिए।

अथवा

मालवी लोककथाओं का वर्गीकरण करते हु एउनका विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 20 भोजपुरी लोक साहित्य के विविध पक्षों की विवेचना कीजिए।

अथवा

लोकगीतों का स्वरूप बताते हु ए राजस्थानी एवं भोजपुरी लोक गीतों में व्यक्त लोक मानस एवं लोक संस्कृति की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 21 राजस्थान की लोक गाथाओं के स्वरूप और विकास का विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा

लोककथाओं में अभिव्यक्त लोक संस्कृति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 22 "लोकनाट्य लोकसाहित्य की विशिष्ट विधा है।" इस कथन का विवेचन करते हु ए अन्य विधाओं से इसकी विशिष्टता का अंकन कीजिए।

अथवा

हरियाणा के लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 23 राजस्थानी एवं मालवी लोककथाओं में व्याप्त समानता एवं असमानताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

खड़ी बोली लोक साहित्य के लोकगीतों का उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

प्रश्न 24 राजस्थान के तीज-त्यौहारों एवं गीतों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

अथवा

लोक साहित्य का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 25 लोक साहित्य का अन्य समज विज्ञानों से सम्बन्धों का विश्लेषण करते हु ए इसकी व्यापकता को सिद्ध कीजिए।

अथवा

लोक साहित्य की विश्वसनीयता पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 26 लोकगाथा का स्वरूप बताते हु एप्रमुख लोकगाथाओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

राजस्थानी लोक कथाओं के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 27 राजस्थान के लोक प्रसिद्ध लोकोत्सव व लोकनृत्य पर एक लेख लिखिए।

अथवा

हरियाणवी लोक साहित्य की विविध विधाओं का वर्णन करते हु ए राजस्थानी लोकसाहित्य से इसकी समानता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 28 "ब्रज लोक साहित्य में ब्रज लोकमानस की अभिव्यकित हु ई है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

लोककथा और लोकगाथा में कथानक अभिप्राय एवं कथानक रू ि ढयों की भू मिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 29 लोकगाथा के स्वरूप पर प्रकाश डालते हु ए इसकी विविध विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

हरियाणवी लोक साहित्य के विविध पक्षों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 30 राजस्थान की लोकनाटय शैलियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

राजस्थान के लोक गीत और लोक वाद्यों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 31 खड़ी बोली लोक साहित्य और राजस्थानी लोक साहित्य में साम्य-वैसाम्य का विवेचन कीजिए।

अथवा

'लेक साहित्य' लोक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पक्ष है।' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 32 वर्तमान युग में लोकसाहित्य की प्रासंगिकता पर विवेचन कीजिए।

अथवा

राजस्थान में ख्यालों की परम्परा और इनके रूप की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 33 हरियाणवी लोक संस्कृति पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

अथवा

लोकसाहित्य के संकलन की आवश्यकता क्यों है ? लोक साहित्य के संकलन व संरक्षण के उपायों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 34 "लोक साहित्य लोक मानस का प्रतिबिम्ब है" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

लोक साहित्य और अभिजात्य साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए संस्कृति को प्रभावित करने वाले घटक के रूप् में विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 35 राजस्थानी लोकगाथा के स्वरूप, विशेषताओं और प्रमुख लोकगाथाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

खड़ी बोली लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए।

प्रश्न 36 राजस्थानी लोककथाएँ कौन-कौनसी है ? लोक कथाओं में व्याप्त कथानक अभिप्राय, रूढ़ियों और कथा मानकों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

राजस्थानी लोक नाटय शैलियों का विवेचन कीजिए।